उत्तर संकेत
अभ्यास प्रश्न पत्र द्वितीय सत्र (2021-22)
कक्षा- ग्यारहवीं
विषय- हिंदी (ऐच्छिक), विषय कोड-002

निर्धारित समय 2 घंटे **पूर्णांक 40**

सामान्य निर्देश :---

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
- वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं। यह सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
- यदि परीक्षार्थी इन संकेत बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार अनुसार ही किया जाए।

खंड (क)
(कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन)

प्रश्न (1) निम्नलिखित दिए गए दो शीर्षकों में से **किसी एक** शीर्षक पर लगभग **150** शब्दों में दृश्य लेखन। **(1x4=4अंक)**

घटनास्थल का वर्णन (दृश्य संख्या, पात्र, स्थान,समय)- 1 अंक
संवाद लेखन- 2 अंक
शब्द चयन व कट टू- 1 अंक

प्रश्न (2) दो में से किसी **एक विषय** पर पत्र **(1x4=4 अंक)**

आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ- 1अंक
विषय वस्तु- 2 अंक
भाषा- 1 अंक

प्रश्न 3 (क) प्रतिवेदन अथवा कार्यवृत्त **(1x3=3 अंक)**

आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ- 1अंक
विषय वस्तु- 2 अंक

(ख) सरकारी या निजी संस्थान में जो निर्णय लिए जाते हैं, उन्हें लागू करने के लिए अधीनस्थ कार्यालयों को जो पत्र जारी किया जाता है उसे परिपत्र या सर्कुलर कहते हैं। इसमें निर्णय को कार्यान्वित करने के निर्देश भी होते हैं।

अथवा

सहायक टिप्पण को जब संबंधित अधिकारी को भेजा जाता है तो टिप्पणी पर संबंधित अधिकारी का मत आनुषांगिक टिप्पणी कहलाता है। आनुषांगिक टिप्पणी प्राय: संक्षिप्त होती है, किंतु असहमति की स्थिति में यह विस्तृत भी हो सकती है।

(1x2=2 अंक)

प्रश्न (4) सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित **(2x2 = 4 अंक)**

(क) (i) पहले रूपरेखा बनाना।
(ii) तथ्यों का संकलन।
(iii) विवेक पूर्ण, निष्पक्ष अध्ययन।
(iv) विचारों की प्रामाणिकता।
(v) विषय केंद्रित अध्ययन।
(vi) सही निर्णय।
(vii) अनावश्यक विस्तार से बचना।
(उपर्युक्त में से कोई चार)
(ख) वर्तमान समय में पटकथा लेखन में कम्प्यूटर का प्रयोग होने लगा है। कम्प्यूटर पर ऐसे सॉफ्टवेयर आ गए हैं जिनमें पटकथा का प्रारुप बना बनाया होता है। सॉफ्टवेयर पटकथा में सुधार लाने के सुझाव भी प्रस्तुत करता है। हालांकि इन्हें मानना न मानना लेखक की इच्छा पर निर्भर है।

खंड (ख)

(पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक)

प्रश्न (5) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो प्रश्नों** के उत्तर **50-60** शब्दों में अपेक्षित। **(3+3 = 6 अंक)**

(क) रिश्तों के न खुलने का कारण है रिश्तों पर गरीबी की मार का पड़ना। गरीबी के कारण ही घर के लोग एक-दूसरे से खिंचे-खिंचे रहते हैं। वे खुलकर बात नहीं कर पाते हैं। आर्थिक दबावों ने पारिवारिक रिश्तों की मधुरता को समाप्त कर दिया है। सभी एक-दूसरे से नजरें बचाते फिरते हैं। आत्मीय होते हुए भी वे खुलकर अपने विचारों की अभिव्यक्ति नहीं कर पाते हैं।
(ख) इन पंक्तियों का आशय है कि चंचल और युवा हिरण अपनी ही नाभि में बसी हुई कस्तूरी की मस्त कर देने वाली सुगन्ध के पीछे दौड़-दौड़कर इधर- उधर जाता है और उसे कहीं भी न पाकर खीझ उठता है। उसे स्वयं पर ही चिढ़ हो जाती है। वास्तव में कस्तूरी की गंध उसकी नाभि से ही निसृत होती है, लेकिन भोला हिरण इस सत्य से अपरिचित होता है। वह उस गंध को पाने के लिए भागता रहता है। कवि ने यह दृश्य अपनी आँखों से देखा है और उसकी कल्पना आँखों में संजोए हुए है।
(ग) कविता में अमरता- सुत का संबोधन संघर्ष करने की क्षमता से सम्पन्न मानव समूह के लिए हुआ है। जीवन पथ पर चलते रहने वाले मनुष्यों को तमाम तरह की समस्याओं, कठिनाइयों आदि का सामना करना पड़ता है। संघर्ष में लगे लोगों की जानें जाती हैं, किंतु संघर्ष करने की क्षमता कभी कुंद नहीं पड़ती। मानवीय चेतना की मृत्यु नहीं हो सकती। उसके लिए आलस्य या अकर्मण्यता मृत्यु के समान है। इसीलिए कवयित्री महादेवी वर्मा 'अमरता सुत' का संबोधन चेतनाशील और संघर्षशील मनुष्यों के लिए करती हैं।

प्रश्न (6) निम्नलिखित में से किसी **एक प्रश्न** का उत्तर लगभग **30 से 40** शब्दों में अपेक्षित। **(1 x 2 = 2 अंक)**

(क) कवयित्री महादेवी वर्मा ने आँसू के लिए उजले विशेषण का प्रयोग उनकी पवित्रता की भावना को दर्शाने के लिए किया है क्योंकि सभी की कल्पनाओं में सत्य पलता है अर्थात् वे आधारहीन नहीं होते।
(ख) कालिदास द्वारा रचित 'मेघदूत' में धनपति कुबेर ने यक्ष को एक वर्ष का जो निर्वासन दंड दिया था, उस अवधि में यक्ष ने मेघ (बादल) को दूत बनाकर अपनी प्रिया के पास अपना संदेश भेजा था।

प्रश्न (7) निम्नलिखित में से किन्ही **दो प्रश्नों** के उत्तर लगभग **50 से 60** शब्दों में अपेक्षित। **(3+3=6अंक)**

(क) भारत के सामाजिक विकास और बदलाव के आंदोलन में पाँच समाज सुधारकों के नाम लिए जाते हैं, पर उस सूची में ज्योतिबा फुले को शुमार नहीं किया गया। इसका कारण था : 'इस सूची को बनाने वाले उच्चवर्गीय समाज के प्रतिनिधि थे और ज्योतिबा ब्राह्मण वर्चस्व और सामाजिक मूल्यों को कायम रखने वाली तत्कालीन शिक्षा और सुधार के समर्थक नहीं थे। वे ब्राह्मणवादी मानसिकता पर प्रहार करते थे।'
(ख) 'खानाबदोश' कहानी में मानो और सुकिया अपने मकान के लिए प्रयास करते हैं ,किंतु समृद्ध लोग उनके सपनों को चकनाचूर कर देते हैं। ये उनका घर न बनने देने के प्रयत्न में लगे रहते हैं। यद्यपि मजदूर ही पूँजीपति वर्ग के आलीशान महलों को खड़ा करते हैं, पर उनके जीवन में एक झोंपड़ी का सपना भी सपना बनकर रह जाता है। पूँजीपति वर्ग नहीं चाहता कि श्रमिक वर्ग सुख-चैन की जिंदगी जिए। वह उसे अपना मोहताज बनाए रखना चाहता है। यही कहानी की मूल संवेदना है।
(ग) मूलत: मनुष्य संवेदनशील प्राणी है। उसमें करुणा की भावना विद्यमान रहती है, पर वह गूंगेपन की स्थिति में रहती है। वर्तमान सामाजिक परिवेश में मनुष्य की करुणा की भावना जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति, कृत्रिम सुखों को खोने का भय, स्वयं किसी विपत्ति में फंसने की आशंका आदि कारणों से मुखर नहीं हो पाती। वह अपनी उस भावना के अनुरूप उसे व्यवहार रूप में नहीं ढाल पाता। वह व्यवहार में संवेदनहीनता को दर्शाता है। वह गूँगे-बहरों के प्रति अपनी करुणा को व्यावहारिक रूप नहीं दे पाता है।

प्रश्न (8) निम्नलिखित में से किसी **एक प्रश्न** का उत्तर लगभग **30 से 40** शब्दों में अपेक्षित। **(1 x 2 = 2अंक)**

(क) असगर ठेकेदार के साथ जसदेव को आता देखकर सूबेसिंह बिफर पड़ता है क्योंकि सूबेसिंह सामन्ती प्रवृत्ति का व्यक्ति है जो किसनी के बाद मानो को अपनी कुत्सा का शिकार बनाना चाहता है। वह अपनी मंशा पूरी न होने के कारण गुस्से में आता है। उसे लगता है कि जसदेव उसकी मनमानी को रोकने का दुस्साहस कर रहा है। इसी कारण वह जसदेव को मार-मार कर अधमरा कर देता है।
(ख) इस कहानी का शीर्षक 'गूँगा' न होकर 'गूँगे' है क्योंकि इस कहानी का मुख्य पात्र उन सभी गूँगों का प्रतीक मात्र है जिनकी संवेदनाएँ मर गई हैं। इसके माध्यम से लेखक ने दिव्यांगों के प्रति समाज में व्याप्त संवेदनहीनता की प्रवृत्ति की ओर संकेत किया है। यह कहानी मानव की शोषण से मुक्ति का मार्ग दिखाती है कि सभी लोग समाज में दिव्यांगों को सामान्य मनुष्य की तरह समझें तथा उनके साथ मानवीय व्यवहार करें।

प्रश्न (9) (क) निम्नलिखित में से किसी **एक प्रश्न** का उत्तर लगभग **15 से 20** शब्दों में अपेक्षित । **(1x1 = 1 अंक)**

(1) मकबूल का अपने परिवार में सबसे ज्यादा लगाव अपने दादा जी से था ।

अथवा

(2) दोनों पुस्तक प्रेमी, आत्मसम्मानी, लेखन के शौकीन, सौंदर्य बोध - युक्त (कोई एक विशेषता)

(ख) निम्नलिखित में से किन्ही **दो प्रश्नों** के उत्तर **50-60** शब्दों में अपेक्षित | **(3+3=6अंक)**

(1) मकबूल को जब दुकानों पर बिठाया गया तो उसका सारा ध्यान ड्राइंग और पेंटिंग पर ही रहता था। उसे न तो चीजों की कीमतें याद रहती थीं, और न कपड़ों की पहनाई का पता रहता। हिसाब में दस रुपए लिखता तो किताब में बीस स्केच बनाता था। वह जनरल स्टोर पर बैठे-बैठे सामने से गुजरने वाली मेहतरानी का स्केच बनाता था, बोरी उठाए मजदूर की पेंचवाली पगड़ी का स्केच बनाता था, पठान की दाढ़ी का स्केच, बुरका पहने औरत का स्केच तथा बकरी के बच्चे का स्केच बनाता रहता था।

(2) अंतर- उस समय की आदर्शवादी पुस्तकों के स्थान पर वर्तमान समय में बहु उपयोगी, मनोरंजक व ज्ञानवर्धक पुस्तकें पढ़ाना, शिक्षकों का कठोर अनुशासन के स्थान पर पाठ्य सहगामी क्रियाओं द्वारा शिक्षा देना, शारीरिक दंड की अपेक्षा प्यार से समझा कर व्यवहार में बदलाव लाने की कोशिश करना, जीवन के किसी एक क्षेत्र की शिक्षा के स्थान पर सर्वांगीण विकास पर बल देना।

उपयुक्त तर्क पर उचित अंक दिए जाएँ

(3) कला के प्रति पहले लोगों का नजरिया अच्छा नहीं था। उसे कोई विशेष महत्त्व नहीं दिया जाता था। कोई भी पिता अपनी संतान को कला की तालीम नहीं दिलाना चाहता था। कला को काम की वस्तु नहीं माना जाता था। इसे समय बर्बाद करने वाला माना जाता था। अब कला के प्रति लोगों का नज़रिया बदला है। अब कलाकार को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। अच्छे कलाकार की पेंटिंग्स काफी महँगे दामों पर बिकती हैं। कला को एक अच्छा व्यवसाय भी मान लिया गया है।